समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 30 September 2026

कैसे हुई डॉकिंग, टकटकी लगाए दुनिया देखती रह गई, स्पेस मे...

Publisher

Published on 18 Jan 2025

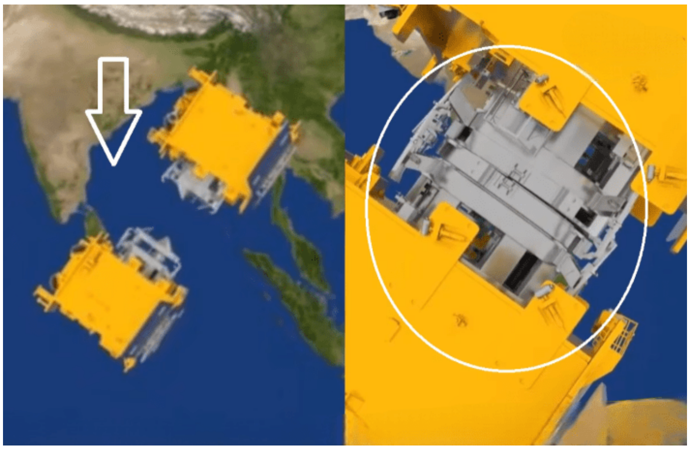

इस ऐतिहासिक पल का वीडियो ISRO ने ट्विटर पर जारी किया है. इसमे दिख रहा है कि दो उपग्रह 'चेजर' और 'टारगेट' एक-दूसरे से जुड़ते हुए दिख रहे है. स्पेडेक्स के तहत दो उपग्रहों की सफल डॉकिंग को अंजाम दिया.

ISRO Space Docking: भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन **ISRO** ने गुरुवार को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' स्पेडेक्स के तहत दो उपग्रहों की सफल डॉकिंग को अंजाम दिया. इस अद्भुत उपलब्धि के साथ भारत अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को सफलतापूर्वक जोड़ने वाला चौथा देश बन गया है. इससे पहले यह कारनामा केवल रूस, अमेरिका और चीन ने ही किया था. अब इसरो ने इसका वीडियो भी जारी कर दिया है.

दो उपग्रह 'चेजर' और 'टारगेट'

दरअसल, **ISRO** ने इस ऐतिहासिक पल का वीडियो ट्विटर पर जारी किया है. इसमें दिख रहा है कि दो उपग्रह 'चेजर' और '**टारगेट**' एक-दूसरे से जुड़ते हुए दिख रहे हैं. डॉकिंग के बाद इन दोनों उपग्रहों पर एक ही वस्तु के रूप में सफल नियंत्रण स्थापित कर लिया गया. ISRO प्रमुख वी नारायणन ने मिशन को सफल बनाने वाली पूरी टीम को बधाई दी.

16 जनवरी सुबह यह डॉकिंग पूरी

यह तकनीक भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है. **चंद्रयान-4, गगनयान, अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना,** और **चंद्रमा** पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने जैसे भारत के महत्वाकांक्षी मिशनों को सुचारू रूप से पूरा करने में यह मददगार साबित होगी. **ISRO** ने अपने वीडियो में कहा कि 16 जनवरी, 2025 को सुबह यह डॉकिंग पूरी की गई.

बता दें कि भारत सरकार ने भी पिछले साल घोषणा की थी कि 2035 तक देश का अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया जाएगा. इस दिशा में स्पेडेक्स जैसी सफलताएं भारत को और आगे ले जाएंगी. अंतरिक्ष में भारत की यह उपलब्धि दुनियाभर में सराहना का केंद्र बनी हुई है. देशभर में भी हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है.

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.